

## केरल ने कथि दवा कीमत नगिरानी इकाई का गठन

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में केरल राज्य ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (Drugs Price Control Order-DPCO) के तहत आवश्यक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कीमतों के उल्लंघन की जाँच करने के लिये एक मूल्य नगिरानी और अनुसंधान इकाई (Price Monitoring and Research Units) स्थापति करने वाला पहला राज्य बन गया।

### महत्त्वपूर्ण बढि

- केरल सरकार का यह प्रयास नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (National Pharmaceutical Pricing Authority-NPPA) द्वारा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिये इस तरह की व्यवस्था प्रस्तावित करने के लगभग पाँच साल बाद आया है।
- केरल के स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर (State Drugs Controller) ने बताया कि इस इकाई (Unit) के कामकाज को सुचारु रूप से चलाने के लिये केंद्रीय सहायता प्राप्त करने हेतु एक सोसायटी को पंजीकृत कथिा गया था।
- इनके अनुसार बुनयिादी ढाँचा स्थापति होते ही नया कार्यालय प्रभाव में आ जाएगा।
- राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कर्मचारियों की भरती और बुनयिादी ढाँचे के लिये तीन श्रेणियों में वर्गीकृत कथिा गया है। केरल दूसरी श्रेणी में आता है, जिसकी जनसंख्या 3% से कम है, लेकिन देश की कुल जनसंख्या का 1% से अधिक है।
- राज्य में एक परियोजना समन्वयक, दो फीलड जाँचकर्ता और दो डेटा एंट्री ऑपरेटर होंगे।
- इस इकाई द्वारा राज्य ड्रग्स कंट्रोलर वगि की मदद कथि जाने की उम्मीद जताई गई है, जो कर्मचारियों की भारी कमी के चलते गंभीर रूप से प्रभावित है। इस इकाई के सहयोग से दवा की कीमतों को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित कथिा जा सकेगा।
- सूत्रों के अनुसार, केरल में एक साल में लगभग 10,000 करोड रुपए की दवाइयाँ बेची जाती हैं, जबकि सार्वजनिक संस्थानों के दवा खरीद के अधिकारिकि आँकड़ों का खुलासा नहीं कथिा गया है।

### वर्तमान स्थिति

- वर्तमान में कोई मूल्य नियंत्रण समीक्षा तंत्र नहीं है। राज्य का स्वास्थ्य सचिव इस इकाई का अध्यक्ष होगा तथा ड्रग्स नियंत्रक इसका सदस्य सचिव।
- इसके अन्य सदस्यों में एक राज्य सरकार का प्रतिनिधि, नजिी दवा कंपनियों के प्रतिनिधि, और उपभोक्ता अधिकार संरक्षण मंच भी शामिल हैं। ड्रग्स कंट्रोलर की अध्यक्षता में सोसायटी की एक कार्यकारी समिति भी होगी।
- यह नई इकाई 'स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर' और NPPA को अनुसूचित के साथ ही गैर-अनुसूचित दवाओं की सुनिश्चित कीमतों की नगिरानी करने, DPCO के प्रावधानों के उल्लंघन का पता लगाने, कीमत के अनुपालन पर नज़र रखने, दवाओं के परीक्षण के नमूने एकत्र करने और बाज़ार-आधारित डेटा एकत्र करने में तकनीकी मदद उपलब्ध करेगी।
- फार्मा कंपनियों पर DPCO द्वारा तय की गई श्रेणी की दवाओं की कीमतों पर ओवरचार्ज करने का आरोप लगाया गया है जबकि यह कार्य इसके दायरे से बाहर है।
- PMRU स्थापति करने का सुझाव NPPA और राज्य ड्रग्स कंट्रोलर और राज्य ड्रग इंस्पेक्टरों के बीच दवा की कीमतों की नगिरानी के लिये एक फीलड-स्तरीय लकि की कमी की पृष्ठभूमिके खिलाफ कथिा गया था।

### स्रोत – द हद्दि